

डॉ. क्रेग कीनर, रोमन्स, व्याख्यान 17, रोमियों 16:7-20

© 2024 क्रेग कीनर और टेड हिल्डेब्रांट

यह रोमन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. क्रेग कीनर हैं। यह रोमियों 16:7-20 पर सत्र 17 है।

रोमियों अध्याय 16 और पद 7 में, हम एंड्रॉनिकस और जूनिया को देख रहे हैं।

खैर, यहाँ यह कहा गया है कि वे प्रेरितों में उत्कृष्ट थे। अब, कुछ लोगों ने तर्क दिया है, ठीक है, जूनिया एंड्रॉनिकस के साथ एक पुरुष प्रेरित था। और उन्होंने कहा है कि यह वास्तव में जूनियास है, लेकिन यह मूल भाषा में काम नहीं करता है।

जूनिया यहाँ स्पष्ट रूप से एक महिला है। कुछ अनुवादों के विपरीत, प्राचीन ग्रंथों में जूनिया हमेशा एक महिला का नाम था। प्राचीन साहित्य में इसका कोई अपवाद नहीं है।

नर जूनियानस का प्रस्तावित संकुचन काम नहीं करता है क्योंकि यह संकुचन जूनियानस के लिए कहीं भी नहीं होता है, आंशिक रूप से क्योंकि लैटिन नाम के साथ, इसे काम नहीं करना चाहिए। आप जूनियानस से जूनियास जैसे लैटिन नाम का अनुबंध नहीं करते हैं। यह जूनिया है।

इसलिए, अधिकांश विद्वान यह निष्कर्ष निकालते हैं कि वह एंड्रॉनिकस के साथ एक प्रेरित है, आंशिक रूप से क्योंकि पॉल कहीं भी एक समूह के रूप में प्रेरितों की राय की अपील नहीं करता है। और आंशिक रूप से इसलिए कि जॉन क्राइसोस्टॉम भी, उस अवधि में जब महिलाओं की गतिविधियाँ पहले की तुलना में अधिक प्रतिबंधित थीं, उन्हें यहाँ एक प्रेरित के रूप में मान्यता दी गई है। ऐसा लगता है कि यह आश्चर्य व्यक्त करता है, लेकिन वह कहता है, देखो, पॉल ने उसे प्रेरित भी कहा है।

व्याकरणिक रूप से, इस पर दूसरे तरीके से तर्क किया गया है, और मेरा मानना है कि यदि आपके पास इस पर दूसरे तरीके से तर्क करने का कारण है तो इसे दूसरे तरीके से भी तर्क दिया जा सकता है। लेकिन क्योंकि पॉल कहीं भी एक समूह के रूप में प्रेरितों की राय की अपील नहीं करता है, मुझे लगता है कि इसका यही मतलब है, सबसे अधिक संभावना है। हम यहां प्रेरित के महत्व को मनमाने ढंग से कम या सीमित नहीं कर सकते।

आमतौर पर सुसमाचारों में, और ल्यूक-एक्ट्स में, निश्चित रूप से अधिनियमों के अध्याय 14 के एक अंश को छोड़कर, जहां पॉल और बरनबास को प्रेरित कहा जाता है, प्रेरितों का लेबल 12 तक ही सीमित प्रतीत होता है। लेकिन पॉल ने अपने लेखन में, जिनमें से यह है एक, प्रेरित शब्द को विशेष रूप से 12 तक सीमित नहीं करता है। पॉल इस शब्द का उपयोग स्वयं के लिए करता है, जिसे फिर से, ल्यूक अधिनियम अध्याय 14 में केवल कुछ बार करता है, लेकिन पॉल इसे रोमियों 1:1, रोमियों 11 में अपने लिए उपयोग करता है: 13. रोमनों में प्रेरित शब्द के केवल यही दो अन्य उपयोग हैं।

वह इसे कहीं और जेम्स, गलाटियन्स 1 के लिए उपयोग करता है। वह इसका उपयोग सीलास और टिमोथी के लिए करता है, शायद थिस्सलुनीकियन पत्राचार में। 1 कुरिन्थियों 15, वह यीशु के 12 और फिर कुछ अन्य लोगों और फिर सभी प्रेरितों के सामने प्रकट होने की बात करता है। तो, पॉल के लिए, यह 12 से भी बड़ा समूह है।

और जूनिया पहले भी उस बड़े समूह में से एक रही होगी, हालाँकि अगर वह ल्यूक में भेजे गए 70 के संदर्भ में सोच रहा है, तो शायद, ठीक है, उसे उसके पति के साथ भेजा जा सकता था, लेकिन शायद यही एकमात्र तरीका होगा यह किया जा सकता था. लेकिन किसी भी मामले में, पॉल इस शब्द का अधिक व्यापक रूप से उपयोग करता है। अब, जब भी इसे चर्चों के प्रेरितों के रूप में प्रयोग किया जाता है, तो वह हमेशा चर्चों के प्रेरितों को कहता है।

ऐसे कुछ स्थान हैं जहां आप चर्च के दूत के रूप में मौजूद हैं, लेकिन यहां वह इसे सीमित नहीं करता है। वे प्रेरितों के बीच उत्कृष्ट हैं। और यदि आपके पास यह नहीं है, यदि आप इसे केवल 12 के संकीर्ण अर्थ में उपयोग नहीं कर रहे हैं, यदि आप इसे पॉलीन अर्थ में उपयोग कर रहे हैं, तो हमारे पास उसे पॉलीन में एक प्रेरित के रूप में अस्वीकार करने का कोई कारण नहीं है। समझ में आता है, जब तक हम इस आधार से शुरुआत नहीं कर रहे हैं कि एक महिला एक प्रेरित नहीं हो सकती।

किस मामले में हम यह मान सकते हैं कि हम क्या साबित करने का दावा कर रहे थे क्योंकि उस मामले में यह एक तरह का परिपत्र है। इसे सामने लाने का मेरा कारण यह है कि रोमन महिलाओं की तुलना में दोगुने पुरुषों का स्वागत करते हैं, लेकिन वह पुरुषों की तुलना में दोगुनी महिलाओं की सराहना करते हैं। और मैं वास्तव में यह सुझाव नहीं दे रहा हूँ कि हम एक कोटा स्थापित करें, लेकिन यह रोमियों अध्याय 16 के लिए अद्वितीय नहीं है।

हमारे पास अन्य ग्रंथ हैं जिनमें महिलाएं भगवान के लिए बोल रही हैं। हमारे पास ऐसी महिलाएँ हैं जो ईश्वर की ओर से भविष्यवाणी करके बोलती हैं। पुराने नियम में, हमारे पास मरियम, निर्गमन 15 है।

वह एक करीबी भविष्यवक्ता है. हुल्दा, दूसरा राजा 22. वह योशियाह के शासनकाल के उस हिस्से की सबसे प्रमुख भविष्यवक्ता प्रतीत होती है।

बाद में, यिर्मयाह बहुत महत्वपूर्ण है। मुझे लगता है कि इस समय यिर्मयाह पहले से ही मौजूद था। परन्तु हुल्दा को, यशायाह की तरह, प्रभु का वचन देने के लिए भेजा गया है। यशायाह से एक सदी पहले हिजकियाह ने इसी तरह की स्थिति में प्रभु का वचन दिया था।

दबोरा, न्यायियों 4:4, सारे इस्राएल का न्याय करो। और निःसंदेह, यह विशिष्ट था। यह आम बात नहीं थी.

हिब्रू में इस बात पर जोर देते हुए यहां तक बताया गया है कि वह एक महिला जज थीं। और भविष्यवक्ता इतनी असामान्य नहीं थी। लेकिन आप पीछे सोचें, कितने लोग भविष्यवक्ता और

न्यायाधीश दोनों थे? आपके पास सैमुअल है, आपके पास डेबोरा है, और हो सकता है कि आप मूसा के बारे में इस तरह सोच सकते हों, लेकिन बस इतना ही।

इसलिए, भविष्यवक्ता न्यायाधीशों के संदर्भ में, जो प्रभु का वचन बोलते हैं और परमेश्वर की आत्मा के द्वारा परमेश्वर के लोगों पर शासन करते हैं, यह संभवतः हमारे पास पुराने नियम में नए नियम के प्रेरितों, 2 कुरिन्थियों 3 में मूसा आदि के लिए सबसे निकटतम मॉडल है। लेकिन आपके पास यशायाह अध्याय 8 में यशायाह की पत्नी है, जहां वह भविष्यवक्ता के पास जाता है। नए नियम में, आपके पास मंदिर में अन्ना को शिमोन के साथ जोड़ा गया है, ल्यूक अध्याय 2। आपके पास अधिनियम अध्याय 21 में फिलिप की चार बेटियाँ भी हैं, जो एक तरह से अगबस के साथ जोड़ी गई हैं।

एगाबस पहले अधिनियमों में भी दिखाई देता है, लेकिन ल्यूक इस पर जोर देना पसंद करता है क्योंकि वह कौन सी भविष्यवाणी है जो उसके प्रोग्रामेटिक अधिनियम अध्याय 2 छंद 17 और 18 में इतनी केंद्रीय है, आपके बेटे और बेटियाँ भविष्यवाणी करेंगे। मैं अपने दास-दासियों पर अपना आत्मा उण्डेलूंगा। और वह आगे बढ़ता है और जोएल के साथ जुड़ जाता है, वे भविष्यवाणी करेंगे।

तो, एक बार यीशु के आने के बाद भविष्यसूचक भाषण के लिए आत्मा का उंडेला जाना और एक बार आत्मा को सभी लिंगों, दोनों लिंगों, सभी मांस, युवा और बूढ़े, इत्यादि के लिए उंडेला जाना है। और संभवतः हमारे पास अधिनियम अध्याय 21 में यह है। पॉल 1 कुरिन्थियों 11 में भविष्यवाणी करने वाली महिलाओं का उल्लेख करता है।

जब तक उनके सिर ढके रहते हैं, उन्हें प्रार्थना करने और भविष्यवाणी करने की अनुमति है। उस अनुच्छेद के बावजूद जो कहता है कि उन्हें चर्च में चुप रहना होगा जब तक कि वह लिप-सिंकिंग के बारे में बात नहीं कर रहा हो, संभावना है कि वह यह नहीं कह रहा है कि वे प्रार्थना और भविष्यवाणी नहीं कर सकते। वह कुछ और ही बात कर रहा है।

जब तक उनके सिर ढके रहते हैं, वे प्रार्थना और भविष्यवाणी कर सकते हैं, जो एक और मुद्दा है जिस पर मैं बहुत विस्तार से विचार करूंगा और कुछ विस्तार से लिखूंगा, जिसमें शब्दकोश लेख आदि भी शामिल हैं, अगर मैं 1 कुरिन्थियों 11 पर पढ़ा रहा होता। लेकिन यह बहुत ज्यादा विषयांतर होगा। इसलिए मैं यहां उस पर नहीं जा रहा हूँ।

तो, हमारे पास एक महिला जज है। जाहिर तौर पर हमारे यहाँ एक महिला प्रेरित है। इस अध्याय में अन्यत्र, हमारे पास फीबी के मामले में पॉल के साथी कार्यकर्ताओं और डायकोनोस के रूप में महिलाएं हैं, जो कि पॉल और उनके साथी मंत्रियों के लिए समान लेबल के लिए उपयोग किया जाने वाला एक प्रकार का मंत्रालय है।

फिर, वे दो सबसे सामान्य मंत्रालय शब्द हैं जिनका उपयोग पॉल के साथी मंत्रियों द्वारा उनके लेखन, डायकोनोस और सिनर्जोस में किया जाता है। खैर, इसके विपरीत, हमारे पास कुछ पाठ

हैं जो चर्च में महिलाओं के चुप रहने के बारे में बात करते हैं। 1 कुरिन्थियों 14:34 और 35 और 1 तीमुथियुस 2:11 और 12।

अब आपके चर्च में, मुझे नहीं पता, क्या महिलाओं को सामूहिक गायन में भाग लेने की अनुमति है? यदि वे हैं, तो आपका चर्च हर तरह से चुप रहने वाली महिलाओं के बारे में इसका अक्षरशः पालन नहीं कर रहा है, लेकिन आपको इसके बारे में बुरा महसूस करने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि हमारे पास कुछ अन्य अंशों में भगवान के लिए बोलने वाली महिलाएं हैं। वे अल्पसंख्यक हैं, और संस्कृति को देखते हुए यह आश्चर्य की बात नहीं है, कुछ चीजें जिनका मैंने पहले सामान्य रूप से संस्कृति के बारे में उल्लेख किया था। लेकिन इन पाठों में कितना मौन शामिल है? खैर, उस पर, विद्वान असहमत हैं, और चर्च परंपराएँ भी असहमत हैं।

इसका एक हिस्सा इस बात पर भी निर्भर करेगा कि आप बाद की सदियों की चर्च परंपरा को कितना महत्व देते हैं, हालांकि कुछ चर्च ऐसे हैं जहां हाल की शताब्दियों में, साल्वेशन आर्मी के संस्थापक विलियम और कैथरीन बूथ जैसे लोग इसके पक्ष में बहुत अधिक अड़े हुए थे। मंत्रालय में महिलाएँ, उपदेश। कुछ आरंभिक मेथोडिस्टों ने कुछ महिलाओं को प्रचार करने की अनुमति दी, लेकिन विशेष रूप से 19वीं शताब्दी में, यह बहुत अधिक सामान्य हो गया। और 20वीं सदी में, 1920 के दशक में, आपके पास एक महिला है जो कैलिफ़ोर्निया में एक मेगाचर्च में पादरी है।

कभी-कभी लोग सोचते हैं कि इसकी शुरुआत 1960 के दशक में हुई थी। दरअसल, 1860 के दशक में, पवित्रता आंदोलन में मंत्रालय में महिलाओं के समर्थन का वास्तविक पुनरुद्धार हुआ था। और आज तक, यह तर्क दिया गया है, मैंने आँकड़ों का आधार नहीं देखा है, लेकिन यह तर्क दिया गया है कि इतिहास में नियुक्त अधिकांश महिलाओं को पवित्रता और पेंटेकोस्टल आंदोलनों में नियुक्त किया गया है।

लेकिन जो भी मामला हो, आप जिस भी चर्च परंपरा से हों, हम सभी, चाहे हम किसी भी चर्च परंपरा से हों, अगर हम महिलाओं को चर्च में सामूहिक रूप से गाने की अनुमति देते हैं, तो आश्चर्य है कि इसका क्या मतलब है कि महिलाओं को ऐसा करना होगा चुपचाप? इसका क्या मतलब है कि जूनिया एक प्रेरित था यदि वास्तव में, हम इसकी व्याख्या इस प्रकार करते हैं? इसका क्या मतलब है कि फोएबे एक डायकोनोस था? इसका क्या मतलब है कि प्रिस्का और अक्विला दोनों पॉल के साथी नौकर थे? खैर, अगर यह मंत्रालय की टीम है तो शायद यह अलग होगा। शायद यह अलग बात है कि शायद वह मुख्य रूप से महिलाओं की सेवा कर रही है, और वह मुख्य रूप से पुरुषों की सेवा कर रहा है। ऐसे बहुत से विवरण हैं जो हमारे पास नहीं हैं।

लेकिन मामला जो भी हो, कम से कम सामूहिक गायन के लिए महिलाओं का चुप रहना किस हद तक सही है? खैर, 1 कुरिन्थियों 14 में, वह कहता है कि उन्हें चुप रहने की ज़रूरत है। अगर उन्हें कुछ भी पूछना हो तो घर पर अपने पति से पूछें और फिर वह चुप्पी के मुद्दे पर आ जाते हैं। मैंने जो तर्क दिया है, और 1 कुरिन्थियों 14 में विभिन्न विचारों का एक पूरा समूह है, लेकिन अगर मैं उन सभी में जाता हूँ, तो मैं वास्तव में रोमियों 16 से भटक रहा हूँ।

1 कुरिन्थियों 14 पर रोमनों में बहुत सारे अलग-अलग विचार हैं, जिसमें गॉर्डन फी का तर्क भी शामिल है कि यह मूल पाठ का हिस्सा नहीं है। मैं वास्तव में इसे स्वयं नहीं खरीदता। मुझे लगता है कि डीए कार्सन का यह तर्क कि यह मूल पाठ का हिस्सा है, कम से कम मेरे लिए अधिक प्रेरक है।

लेकिन लोग, पाठ समीक्षक वास्तव में इस पर विभाजित हैं। लेकिन मेरा तर्क है, ठीक है, जब तक कि वह विषय को नहीं बदल रहा है और विषय को फिर से नहीं बदल रहा है, और वह पहले से ही विषयांतर कर रहा है, तो आप मुझे ऐसा करते हुए देखेंगे क्योंकि अभी मैं विषयांतर से विषयांतर कर रहा हूँ, है ना? तो, पॉल, जब तक वह विषय को नहीं बदल रहा है और विषय को फिर से नहीं बदल रहा है, शायद मौन के बारे में मुद्दा सामूहिक गायन नहीं है। संभवतः वहाँ और अन्य जगहों पर शांति के मुद्दे पर वह कहते हैं, आप सभी, क्योंकि ये घरेलू चर्च थे, आप में से प्रत्येक कुछ उपहार ला सकता है।

तुम वही ला सकते हो जो तुमने प्रभु से सुना है। आप प्रभु के लिए एक गीत ला सकते हैं। आप कुछ ला सकते हैं।

संभवतः उनका इशारा प्रश्न पूछने से है। वह एक मुद्दा क्यों होगा? लोग सवाल क्यों पूछ रहे थे? प्राचीन काल में, यहूदी, ग्रीक या रोमन किसी भी प्रकार की व्याख्यान सेटिंग में, लोगों के लिए प्रश्नों के साथ व्याख्यान को बाधित करना प्रथागत था। अब, कुछ प्रश्न उचित थे।

कुछ प्रश्न सिर्फ शिक्षक को बुरा दिखाने की कोशिश के लिए थे। चर्च के संदर्भ में यह अनुचित होगा जब तक कि शिक्षक वास्तव में कुछ मूर्खतापूर्ण न कह रहा हो। लेकिन मैंने ऐसा एक बार संडे स्कूल की कक्षा में किया था जब शिक्षक कह रहे थे, आप जानते हैं, ऐसा नहीं है, आप जानते हैं, निर्गमन जब भगवान ने समुद्र को वापस कर दिया था, आप जानते हैं, ऐसा नहीं था कि ये उदारवादी ऐसा कहते हैं बस हवा से था।

और वह सेसिल बी. डेमिले की तरह सोच रहा था। और इसलिए, मैंने निर्गमन अध्याय 14 खोला और मैंने पढ़ा, तो इसका क्या मतलब है, श्रीमान, जब यह कहता है कि भगवान ने तेज पूर्वी हवा से समुद्र को वापस उड़ा दिया? और उसने कहा, अच्छा, अच्छा, अच्छा, बस, मेरा मतलब है, उसने हवा का उपयोग किया, लेकिन यह अभी भी भगवान था। खैर, नहीं, इसमें कोई तर्क नहीं है।

मैं बस, शायद असभ्य हो रहा था। शायद मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था। लेकिन फिर भी, वे कभी-कभी अनसीखे सवालों से बीच में आ जाते थे।

और वह यह कि वह सबसे बुरी बात थी। खैर, महिलाएं अनसीखे सवालों में बाधा क्यों डालेंगी? खैर, उनमें से अधिकतर अशिक्षित थे। और इसलिए अल्पकालिक समाधान यह होगा कि उन्हें घर पर अपने पतियों से पूछने दिया जाए।

अधिकांश महिलाओं, विशेष रूप से ग्रीक महिलाओं की शादी कम उम्र में ही कर दी जाती थी, क्योंकि, आप जानते हैं, महिलाओं की कमी थी और यह अपेक्षित था। वास्तव में, रोमन साम्राज्य

में आपको टैक्स में छूट मिलती थी, यदि आप रोमन महिलाओं के लिए निश्चित रूप से, यदि आपने जल्दी शादी कर ली और जल्दी से पुनर्विवाह कर लिया और इसी तरह विधवा या जो भी हो। लेकिन यह एक मुद्दा भी था क्योंकि वहां अभी भी अधिक रूढ़िवादी संस्कृति थी जिसमें महिलाओं को खुलकर बात करने की मनाही थी।

यह यूनानियों के बीच विशेष रूप से सच था। ऐसा था, यह कुछ मामलों में बहुत रूढ़िवादी यहूदी संस्कृति में भी था। रोम या मैसेडोनिया में उतना मामला नहीं था, जितना हम देखेंगे।

तो यह सांस्कृतिक रूप से एक मुद्दा हो सकता है। हाउस चर्च एक प्रकार से मिश्रित परिवेश है। क्या आप सार्वजनिक रूप से हैं या आप निजी तौर पर हैं? मेरा मतलब है, आप एक घर में हैं, लेकिन यह एक सभा है और महिलाओं को बहुत ही रूढ़िवादी स्वाद के अनुसार अन्य महिलाओं के पतियों के सामने बात नहीं करनी चाहिए, जो हर कोई साझा नहीं करता है।

लेकिन ये लोगों को ठोकर न खाने देने के बारे में कुछ मुद्दे रहे होंगे, चाहे जो भी हो। लेकिन उन मामलों में भी, यूनानियों ने भी प्रेरित भाषण को अलग माना। आप उन्हें वह सब कहने दें जो उन्हें कहना है।

पहला तीमुथियुस अध्याय दो, श्लोक 11 और 12, स्त्रियों को चुप रहने दो। अच्छा, इसका क्या मतलब है? स्थिति के संदर्भ में, पहला और दूसरा तीमुथियुस पत्रों के एकमात्र सेट में हैं और एकमात्र, जहां हम विशेष रूप से जानते हैं कि झूठे शिक्षक अपनी झूठी शिक्षा के साथ महिलाओं को लक्षित कर रहे थे। दूसरा तीमुथियुस अध्याय तीन कहता है, इन झूठे शिक्षकों के बारे में बात करता है जो महिलाओं के घरों में अपना रास्ता खराब कर रहे हैं, इन महिलाओं को गुमराह करने के लिए, जो हमेशा सीख रही थीं और कभी भी सत्य के ज्ञान में आने में सक्षम नहीं थीं।

इसलिए, वे विशेष रूप से महिलाओं को निशाना बना रहे थे। खैर, वे महिलाओं को क्यों निशाना बना रहे थे? शायद एक कारण यह था कि महिलाओं को प्रशिक्षित नहीं किया गया था। यहां तक कि, यहां तक कि यहूदी महिलाएं भी टोरा को पुरुषों की तरह नहीं जानती थीं।

इसके अलावा, पहले तीमुथियुस अध्याय पांच में महिलाओं के घर-घर जाने, फैलने, रहने, व्यस्त रहने और गपशप फैलाने के बारे में बताया गया है। अब, वहाँ शब्दों में से एक का वास्तव में अर्थ संभवतः बकवास फैलाना है। गॉर्डन फी ने इसे शिक्षण संदर्भों में दिखाया, जिसका संबंध झूठी शिक्षा फैलाने से हो सकता है।

अन्य संदर्भों में, कम से कम इसका मतलब बकवास फैलाना है। और, और मैंने कहा, क्या आप, क्या आप मुझे इसके लिए यूनानी पाठ दिखा सकते हैं? इसलिए, उन्होंने मुझे ग्रीक साहित्य में शब्द के हर उदाहरण का एक प्रिंटआउट भेजा। मैंने कहा, ठीक है, मुझे आप पर विश्वास है।

लेकिन जो भी हो, ये थीं, ये विधवाएँ थीं। क्यों, क्या झूठे शिक्षकों द्वारा झूठे विचारों को फैलाने के लिए विधवाओं का उपयोग किया जाएगा? और विशेष रूप से 2 तीमुथियुस अध्याय तीन में, वे महिलाओं को, लेकिन शायद विशेष रूप से विधवाओं को क्यों निशाना बना रहे थे? खैर,

विधवाओं, वहाँ कोई आदमी नहीं था। और जो घर महिलाओं के स्वामित्व में होते थे, वे आमतौर पर विधवाओं के स्वामित्व में होते थे।

और चर्च कहाँ मिलते थे? घरों में. तो, इससे वहाँ की स्थिति का पता चलता है। अब, पॉल 1 तीमुथियुस अध्याय दो, श्लोक 13 और 14 में इसे सृष्टि में किसी चीज़ पर आधारित करने के लिए आगे बढ़ता है।

और यहीं, यहीं पर यह वास्तव में एक मुद्दा बन जाता है कि हम इसे कितनी दूर तक ले जाते हैं। तो आपके पास एक विभाजन है, उन लोगों के बीच जो महिलाओं को लगभग किसी भी मंत्रालय की अनुमति देंगे और जो उनके मंत्रालय को प्रतिबंधित करेंगे। हालाँकि, मैं समर्थन करता हूँ, ठीक है, नहीं, मैं महिलाओं के पास व्यापक मंत्रालय होने का समर्थन करता हूँ।

मैं उनके मंत्रालय को प्रतिबंधित नहीं करना चाहता। मैं यहाँ कुछ बिंदुओं पर अधिक सांस्कृतिक प्रभाव देखता हूँ, लेकिन मेरे बहुत अच्छे मित्र हैं जो विपरीत विचार रखते हैं, जिनमें बहुत अच्छे मित्र भी शामिल हैं जो रोमन भाषा में बहुत अच्छी टिप्पणियाँ लिखते हैं। इसलिए, यह उन मुद्दों में से एक है जहाँ मुझे लगता है कि ईसाई अलग-अलग विचार रख सकते हैं।

यह अक्सर इस पर निर्भर करता है कि हम किस पाठ से शुरुआत करते हैं। हम भविष्यवाणी करने वाली महिलाओं से शुरुआत करते हैं। हम दबोरा वगैरह से शुरू करते हैं।

कुछ लोग कहते हैं, ठीक है, हमारे पास नए नियम में पादरी के रूप में नामित कोई महिला नहीं है। यह सच है। हमारे पास विशेष रूप से पादरी के रूप में नामित कोई व्यक्ति नहीं था।

पॉल अपने साथी मंत्रियों के लिए जिन मुख्य शब्दों का उपयोग करते हैं वे सुनेरगोई और डायकोनोस हैं। और कम से कम एक मामले में, हमने प्रत्येक मामले में इसका उपयोग एक महिला के लिए किया है। तो हम कैसे, हम मतभेदों को कैसे दूर करें? यह कभी-कभी इस बात पर निर्भर करता है कि हम किन पाठों से शुरुआत करते हैं और किन पाठों को हम अधिक प्रामाणिक मानते हैं।

तो, कुछ लोग इसे इस तरह से करते हैं। आपके पास एक नियम है, 1 कुरिन्थियों 14, 1 तीमुथियुस 2, लेकिन आप कुछ मामलों में अपवाद बनाते हैं। कुछ लोग इसे इस तरह से करेंगे, असाधारण परिस्थितियों को छोड़कर महिलाओं को ये काम करने की अनुमति है।

और मैं 1 कुरिन्थियों 14 और 1 तीमुथियुस 2 में इन अंशों को इसी तरह देखता हूँ। और आपके पास अन्य लोग भी हैं जो कहते हैं कि यह विभिन्न प्रकार के मंत्रालयों को संदर्भित करता है। उन्हें कुछ प्रकार के कार्य करने की अनुमति है, लेकिन अन्य प्रकार के नहीं। लेकिन फिर मैं कहता हूँ, अगर वे पूरे इस्राएल पर न्यायाधीश और प्रेरित हो सकते हैं, तो इसे प्रतिबंधित क्यों करें? तो, मैं आपको अपना विचार दे रहा हूँ।

मैं आपको अन्य विचार भी देने का प्रयास कर रहा हूँ। लेकिन कम से कम जहाँ भी हम आते हैं, हम सभी इस बात पर सहमत हो सकते हैं कि महिलाएँ सामूहिक गायन जारी रख सकती हैं, है

ना? तो, हम सभी अभी भी दोस्त बने रह सकते हैं। फिलिप्पियों अध्याय 2, यहां एनआईवी को उद्धृत करते हुए, मैं यूओडिया से विनती करता हूं और मैं सिंटिस से विनती करता हूं, ये महिलाएं जिन्होंने क्लेमेंट और मेरे बाकी साथी कार्यकर्ताओं के साथ, सुसमाचार के लिए मेरी तरफ से संघर्ष किया है, जिनके नाम हैं जीवन की किताब।

वह एक दूसरे के साथ उनके विभाजन के बारे में बात करने जा रहे हैं। लेकिन यहाँ ऐसी महिलाएँ भी थीं जो पॉल के साथ मंत्रालय में लगी हुई थीं, फिलिप्पियों अध्याय 4 में पॉल के साथ किसी प्रकार की मंत्रालय। ध्यान दें कि पॉल के लेखन, रोमियों अध्याय 16 और फिलिप्पियों अध्याय 4 में हमें मंत्रालय में शामिल होने वाली महिलाओं का समूह कहाँ मिलता है। यह मत सोचो कि यह एक संयोग है। रोम और फ़िलिपी साम्राज्य में दो सबसे अधिक लिंग-प्रगतिशील स्थान थे, दो सबसे अधिक लिंग-प्रगतिशील स्थान थे।

और जिन शहरों के बारे में पॉल ने लिखा, वे संभवतः साम्राज्य में सबसे अधिक लिंग-प्रगतिशील स्थान थे। क्या यह संभव है कि महिलाएँ उस मंत्रालय को आगे बढ़ाने के लिए अधिक उपयुक्त थीं जहाँ यह उनके लिए अधिक खुला था? और कम से कम मैं यह सवाल पूछना चाहता हूँ कि क्या यह संभव है कि अधिक महिलाएँ मंत्रालय में काम करेंगी जहाँ उनके मंत्रालयों को अधिक मान्यता मिलेगी, जहाँ उनके मंत्रालयों का अधिक स्वागत किया जाएगा? तो आप इसके बारे में सोच सकते हैं और भगवान हम सभी को बुद्धि दें क्योंकि चर्च अपने काम में आगे बढ़ रहा है। रोमियों अध्याय 16 श्लोक 8 से 10, एम्प्लियाटस 16:8, और अर्बनस 16:9 में। ये दोनों सामान्य दास नाम थे।

यदि पॉल उनसे पूर्वी भूमध्य सागर में मिले, तो संभवतः ये मुक्त व्यक्ति थे जो समझाएंगे कि वे रोम कैसे जा सकते हैं। पॉल उनसे रोम में नहीं मिला था, ज़ाहिर है, क्योंकि वह अभी तक वहाँ नहीं गया था। अर्बनस एक लैटिन नाम है।

तो शायद उसका नाम रखा गया और फिर एक नागरिक द्वारा मुक्त कर दिया गया। यदि उसे किसी रोमन नागरिक द्वारा मुक्त किया जाता, तो वह स्वयं एक रोमन नागरिक होता। तो, वह सूची में रोमन नागरिकों में से एक होगा, भले ही उनमें से कई ऐसा प्रतीत नहीं होते हों।

लेकिन फिर भी, ऐसा बहुत कुछ है जो हम नहीं जानते। 16.10, अरिस्टोबुलस का घराना। यह दिलचस्प है।

घरों में दास शामिल हो सकते हैं। उस समय वे घरेलू शब्द का इसी तरह उपयोग करते थे। तो शायद अरिस्टोबुलस के घराने के दास और मुक्त व्यक्ति।

अब, अरिस्टोबुलस हेरोदेस महान के वंश का एक राजकुमार था। और हम जानते हैं कि वह रोम में रहता था। इस बिंदु पर वह मर सकता है, लेकिन उसके घर में, उस विशेष घराने से संबंधित लोगों का उल्लेख करना प्रतिष्ठित होगा।

और श्लोक 11 में, हमारे पास हेरोडियन नाम का कोई व्यक्ति होगा, जो उस घर का सदस्य भी हो सकता है। हो सकता है कि यहीं से उसे अपना नाम मिला हो। 16.11, शक्तिशाली लोगों के गुलाम स्वयं शक्तिशाली और अमीर भी हो सकते हैं।

वे भारी मात्रा में धन को नियंत्रित कर सकते थे। यह फिर से बहुत अलग है। रोम में घरेलू गुलामी उन अधिकांश गुलामी से बहुत अलग थी जिनके बारे में हम अमेरिका में जानते हैं, यहां तक कि अधिकांश भाग के लिए, अमेरिका में घरेलू गुलामी से बहुत अलग थी, हालांकि महिलाओं को किसी भी तरह से यौन उत्पीड़न किया जा सकता था।

लेकिन शक्तिशाली के गुलाम शक्तिशाली और अमीर हो सकते हैं। और निश्चित रूप से, जब वे स्वतंत्र व्यक्ति बन गए, तो शक्तिशाली लोगों के मुक्त व्यक्ति अक्सर बहुत शक्तिशाली होते थे। कभी-कभी सीज़र के गुलामों और निश्चित रूप से सीज़र के मुक्त व्यक्तियों के पास रोमन सीनेटर्स की तुलना में अधिक शक्ति होती थी।

हेरोडियन, उसका नाम, फिर से, प्राचीन काल में नामों के बारे में हम जो जानते हैं, उसके नाम से पता चलता है कि वह हेरोदेस के परिवार का एक गुलाम या पूर्व गुलाम था, जिसके परिवार के कुछ सदस्य रोम में रहते थे और उनके परिवार रहते थे। रोम में। इसके अलावा, नार्सिसस का घराना। अब, रोम के आकार को देखते हुए, यह बहुत संभव है कि वहाँ नार्सिसस नाम के कई लोग थे, लेकिन इस घर के सदस्यों का नाम लेना विशेष रूप से प्रतिष्ठित हो सकता है।

हो सकता है कि आप उनके अलग-अलग नामों का उल्लेख करने में सक्षम न हों, लेकिन नार्सिसस के परिवार के सदस्यों के नाम का उल्लेख करने में सक्षम नहीं होंगे। वह काफी प्रतिष्ठित था। नार्सिसस क्लॉडियस का स्वतंत्र सचिव था।

उसके पास महान शक्ति थी। जहाँ तक उसके स्वामित्व की बात है, तो उसके पास 400 मिलियन सेस्टर्स थे, जो काफी अमीर थे। मेरा अनुमान है कि एक औसत व्यक्ति को कमाने के लिए 400 मिलियन वर्ष लगेंगे, कमाने के लिए 400 मिलियन दिन लगेंगे, क्षमा करें।

तो शायद केवल दस लाख वर्ष। लेकिन पलास एंटोनिया का स्वतंत्र व्यक्ति था। वह एक अलग स्वतंत्र व्यक्ति थे और उन्होंने अग्रिप्पा द्वितीय का समर्थन किया था।

खैर, हम उसे अग्रिप्पा जूनियर कहते हैं। हम उसे अग्रिप्पा की पत्नी जर्मनिकस से अलग करने के लिए कहते हैं। देखिये, यही कारण है कि मुझे अपने नोट्स पर टिके रहने की आवश्यकता है क्योंकि ADD होने और यह अन्य सभी जानकारी होने के कारण, मैं स्पर्शरिखाओं पर जाता रहता हूँ। स्पर्शरिखाओं के बारे में एक अच्छी बात यह है कि यह आपको वृत्ताकार तर्क से दूर रखती है, है न? ठीक है माफ कीजिए।

इसलिए, एंटोनिया के फ्रीडमैन पलास ने एग्रीपिना को शादी करने के लिए समर्थन दिया, लेकिन मेरे छात्रों को लगता है कि यह बहुत मनोरंजक है, उन्होंने क्लॉडियस से शादी करने के लिए एग्रीपिना का समर्थन किया। यह फाँसी के बाद था, या मेसलीना की जबरन आत्महत्या के बाद,

उसकी पहली पत्नी जिसने उसे मारने और सिंहासन पर कब्ज़ा करने की कोशिश की थी, इत्यादि। लेकिन नार्सिसस एक अलग महिला के पक्ष में था।

इसलिए, जब क्लॉडियस ने एग्रीपिना से शादी की, तो नार्सिसस सत्ता से गिर गया और यह दूसरा स्वतंत्र व्यक्ति, पलास, वह व्यक्ति बन गया जिसके पास इतनी शक्ति थी। पल्लास, आपने उसके भाई फेलिक्स के बारे में सुना होगा, जिसे यहूदिया का गवर्नर नियुक्त किया गया था, भले ही वह एक स्वतंत्र व्यक्ति था। तकनीकी रूप से उन्हें उस वर्ग में नहीं माना जाता था जो राज्यपाल बन सकते थे।

लेकिन एग्रीपिना जीत गई, इसलिए पल्लास जीत गया, और नार्सिसस ने अपनी बहुत सी भूमिका खो दी, लेकिन नीरो के सत्ता में आने के तुरंत बाद, वर्ष 54 तक वह कुछ भूमिका निभाने में सक्षम रहा, खैर, नार्सिसस को मजबूर होना पड़ा आत्महत्या करने के लिए क्योंकि नीरो की माँ वास्तव में उसे पसंद नहीं करती थी क्योंकि उसने पिछले सम्राट क्लॉडियस के लिए एक अलग पत्नी की वकालत की थी, जिसे उसने तब समाप्त करने में मदद की थी ताकि उसका बेटा नीरो अगला सम्राट बन सके। उन्होंने ब्रिटानिकस की समाप्ति में भी मदद की, जो सिंहासन का दूसरा संभावित उत्तराधिकारी था। लेकिन फिर भी, यह विषय से बाहर जा रहा है।

इसलिए, यदि यह उसी नार्सिसस की बात कर रहा है, तो वह इस समय मर चुका होगा, लेकिन हाल ही में मरा है, लेकिन उसकी पिछली प्रमुखता के साथ जुड़ाव के कारण उसके परिवार को अभी भी कुछ प्रमुखता मिलेगी। यह एक अलग नार्सिसस हो सकता है, लेकिन यह प्रसिद्ध, प्रसिद्ध नार्सिसस भी हो सकता है। अध्याय 16 और श्लोक 12, ट्राइफेना, ट्राइफोसा और पर्सिस।

ये सभी महिलाओं के नाम हैं। ट्राइफेना एक जाना पहचाना नाम है। ट्राइफोसा, ठीक है, उन्हें ट्राइफेना के साथ जाने के लिए बस एक नाम की आवश्यकता थी।

यह तथ्य कि जाहिरा तौर पर उनका नाम एक साथ रखा गया था, संभवतः यह बताता है कि वे जुड़वाँ थे। कम से कम वे बहनें तो होतीं। वे एक ही घर से आये होंगे।

पर्सिस, एक बहुत ही दुर्लभ ग्रीक नाम। अक्सर जब इसका उपयोग किया जाता था, तो इसका उपयोग दासों और मुक्त व्यक्तियों के लिए किया जाता था, और इसका उपयोग विशेष रूप से उन दासों के लिए किया जाता था जिन्हें फारस से आयात किया गया था। तो वह एशिया की पृष्ठभूमि से, मध्य एशिया की एक दासी या एक स्वतंत्र महिला हो सकती है।

रूफस और उसकी मां, 1613। अब, जब पॉल रूफस की मां और मेरी मां के बारे में बात करता है, तो वह वस्तुतः, शारीरिक रूप से रूफस का भाई नहीं है, सबसे अधिक संभावना है। यह काल्पनिक रिश्तेदारी की भाषा है, जिसका हमारे पास नए नियम में अच्छा अंश है।

काल्पनिक रिश्तेदारी भाषा में कुछ भी गलत नहीं है। यह वैसा ही है जब हम भाई या बहन कहते हैं। इसने दूसरी सदी की शुरुआत में ईसाइयों को उनके विरोधियों के साथ परेशानी में डाल दिया था, जहां ईसाइयों के आलोचक कहते थे कि वे अनाचार करते हैं क्योंकि वे ऐसी बातें कह रहे हैं, मैं तुमसे प्यार करता हूँ भाई, मैं तुमसे प्यार करता हूँ बहन।

साथ ही, उन पर प्रभु का भोज खाने और यह कहने के लिए नरभक्षण का आरोप लगाया गया कि वे प्रभु का शरीर और रक्त खा रहे हैं। लेकिन लोगों को मसीह में अपने भाई-बहन कहना, हम वस्तुतः एक अर्थ में, आध्यात्मिक रूप से वही हैं, लेकिन आनुवंशिक रूप से यह काल्पनिक है। इसलिए, जब लोग किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में अपनी माँ के रूप में बात करते थे जो उनकी आनुवंशिक माँ नहीं थी, तो यह कोई ऐसा व्यक्ति था जिसका वे वास्तव में सम्मान करते थे और कोई ऐसा व्यक्ति था जिसके वे वास्तव में करीब थे।

अब मेरी पत्नी की संस्कृति में, अक्सर आप कई लोगों को बड़ी उम्र की मां या कुछ भी कह सकते हैं, लेकिन इसका उपयोग अंतरंगता के एक विशेष शीर्षक के रूप में किया जाता था। यह एक घनिष्ठ बंधन था। यह वह व्यक्ति था जिसके पॉल बहुत करीब था।

तो, यह वह व्यक्ति है जिसे पॉल जानता है। संभवतः, वह विधवा है। यह मौन का तर्क है और मुझे लगता है कि यह कुछ तर्कों की तुलना में मौन का अधिक मजबूत तर्क है क्योंकि पति का उल्लेख नहीं किया गया है, लेकिन यह निश्चित नहीं है।

संभवतः वह विधवा है और वह पॉल का कोई परिचित है क्योंकि वह अभी तक रोम में नहीं आया है। संभवतः, रूफस और उसकी माँ वे लोग हैं जिन्हें वह अन्यत्र से जानता है। अब शायद रूफस कुरेनी के शमौन का पुत्र है और यह कुरेनी के शमौन की विधवा है जिसे आप मरकुस 15:21 से याद कर सकते हैं। क्योंकि मार्क 15:21, संभवतः रोम में चर्च के लिए लिखा गया था, कई विद्वानों का मानना है कि यह रोम में चर्च के लिए लिखा गया था, साइरेन के साइमन की पहचान दो लोगों के पिता के रूप में की गई है, जिन्हें चर्च ने सबसे पहले मार्क का सुसमाचार प्राप्त किया था, जिसके द्वारा वह जानता था। नाम।

वह अलेक्जेंडर और रूफस के पिता हैं। खैर, यरूशलेम में कई प्रवासी यहूदी थे, जैसा कि अधिनियम 6:9 में है, जो रोमन नाम की व्याख्या कर सकता है, हालांकि यह लिबर्टिन या रोमन नागरिकों तक ही सीमित नहीं था। उत्पीड़न ने कई साइरेनियन जेरूसलम विश्वासियों को तितर-बितर कर दिया, जिसमें संभवतः साइरेन के साइमन भी शामिल हो सकते थे।

चूँकि उसका उल्लेख मैथ्यू, मार्क और ल्यूक में नाम से किया गया है, इसलिए संभावना है कि चर्च को पता होगा कि वह कौन था। ऐसा नहीं था कि उसने क्रूस उठाया और उन्होंने उसे फिर कभी नहीं देखा। यह वह व्यक्ति था जो यीशु का अनुयायी बन गया, और उनके आंदोलन का हिस्सा बन गया।

इसलिए, उत्पीड़न ने कई साइरेनियन जेरूसलम विश्वासियों को अन्ताकिया में तितर-बितर कर दिया। वे 8.4 और 11.20 में बिखरे हुए हैं। इसमें कहा गया है कि उनमें से कई अन्ताकिया में बिखरे हुए थे। खैर, पॉल अन्ताकिया में समाप्त होता है।

जब वह यरूशलेम से लोगों को तितर-बितर कर रहा था, तब उसे कुरेनी के शमौन के बारे में पता चल सकता था। जब वह अन्ताकिया पहुँचा तो उसे कुरेनी के शमौन के बारे में पता चल गया। अन्ताकिया में चर्च के नेताओं में से एक साइरेन से है, साइरेन का लूसियस।

इसलिए, बरनबास के टार्सस में आने और उसे प्राप्त करने के बाद पौलुस अन्ताकिया में चर्च की नेतृत्व टीम में भी था। तो, अधिनियम 13:1, पॉल उस नेतृत्व दल में है। इसलिए, यदि मार्क रोम के लिए लिखा गया है, तो यह बहुत मजबूत चर्च परंपरा है कि मार्क को पीटर से अपना संदेश मिला, जाहिर तौर पर रोम में।

उनका अनुमान है कि उनके दर्शक साइमन के बेटे रूफस को जानते हैं। यह वैसा ही हो सकता है, रूफस। यह कुरेनी के शमौन का पुत्र हो सकता है।

तो, यह दिलचस्प है। यह ऐसी बात नहीं है जिसे हम निश्चितता के साथ कह सकते हैं, लेकिन यह दिलचस्प है। साइरेन उत्तरी अफ्रीका में था।

अब, हम साइरीन में लोगों की जातीयता के बारे में सिर्फ यह नहीं जानते कि वे कहां हैं। साइमन एक सामान्य यूनानी नाम था। इसका प्रयोग आमतौर पर यहूदी लोगों द्वारा भी किया जाता था क्योंकि यह पितृसत्तात्मक नाम शिमोन से काफी मिलता-जुलता है।

साइमन एपेलबाम ने साइरीन पर एक पूरी किताब लिखी, हम साइरीन के बारे में क्या जानते हैं, खासकर साइरीन में यहूदियों के बारे में। इसमें लगभग एक तिहाई यूनानी, एक तिहाई स्वदेशी लीबियाई और एक तिहाई यहूदी रहे होंगे। तो, साइरीन का साइमन, संभवतः अगर वह फसह के त्योहार के लिए वहां गया है या यदि वह वहां चला गया है, जो कि और भी अधिक संभावना है, तो साइरीन का साइमन शायद, ठीक है, वह अपने विश्वास में यहूदी था।

उसकी पृष्ठभूमि जातीयता क्या थी, हम नहीं जानते। लेकिन वैसे भी, वह उत्तरी अफ्रीका से है। कई नेताओं के नाम रोमियों 16 श्लोक 14 और 15 में हैं।

इस मामले में, यह स्पष्ट नहीं है कि पॉल उनके बारे में बहुत कुछ जानता है। वह उनके साथ भाइयों और बहनों की बात करता है। तो, स्पष्ट रूप से, ये घरेलू चर्चों के नेता हैं।

वह नेताओं के नाम जानता है, लेकिन वह सभी के नाम नहीं जानता। इसलिए, वह जितना हो सके उतने नाम लेता है, लेकिन वह नेरेस और उसकी बहन का उल्लेख करता है। वह अकेली अकेली है जिसका नाम नहीं है।

लेकिन उन सभी का अभिवादन करना सहायक होता है। और मैं यह कहता हूँ कि उन्हें हर किसी का नाम लेने की ज़रूरत नहीं थी, ऐसा लगता है कि वह जितना संभव हो उतने लोगों का नाम लेने की कोशिश कर रहे हैं। उसके आने से पहले उन सभी का अभिवादन करना मददगार होता है, खासकर अगर गुट मौजूद हों।

और वह सीधे तौर पर इस गुट के लोगों को ही जानते हैं। दूसरे गुट के लोगों को भी शुभकामनाएँ भेजने के लिए उनका नाम बताना सहायक होता है। और निःसंदेह, एक खतरा यह है कि एक बार जब आप शुरू करते हैं, तो आप कहाँ रुकते हैं? यह एक ऐसी चीज़ है जिससे मुझे कभी-कभी संघर्ष करना पड़ता है।

लेकिन उसके आने से पहले सभी का अभिवादन करना मददगार होता है, खासकर अगर गुट मौजूद हों। और वह रोम में चर्च को एकजुट करने का प्रयास कर रहा है। यहां उल्लिखित कुछ अन्य, ओलंपस, संभवतः ग्रीक पुरुष नाम ओलंपियोडोरस का संक्षिप्त रूप है।

इसके अलावा, हमारे पास कुछ रोमन नाम भी हैं। यहाँ एक रोमन नाम है, जूलिया। पहले रूफस एक रोमन नाम था और बाद में कार्टस एक रोमन नाम हो गया।

रोमन नाम से मेरा तात्पर्य लैटिन भाषा से है। वह उन लोगों की सूची समाप्त करता है जिनका वह अभिवादन कर रहा है, और वह कहता है, पवित्र चुंबन के साथ एक दूसरे का स्वागत करें, श्लोक 16। अब, कभी-कभी शिक्षक और छात्र एक दूसरे का स्वागत चुंबन के साथ करते हैं, शायद माथे पर चुंबन या कुछ और।

गॉस्पेल में यहूदा ने चुंबन के साथ यीशु का स्वागत किया, और यह आश्चर्य की बात नहीं है क्योंकि चुंबन का उपयोग इस तरह किया गया था, सिवाय इसके कि यह वही है जो अन्य लोग, जो लोग यहूदा के साथ हैं, चाहते हैं कि वह उस व्यक्ति को चिह्नित करे। बहुत अंधेरा है। वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यदि लोग दूर चले जाएं तो उन्हें सही व्यक्ति मिले।

हालाँकि, चुंबन नियमित रूप से रिश्तेदारों और करीबी दोस्तों के लिए किया जाता था, और यह आमतौर पर मुँह पर चुंबन होता था। अब, विभिन्न संस्कृतियाँ अभिवादन व्यक्त करने के तरीके में भिन्न हैं, और विभिन्न संस्कृतियाँ अभिवादन के रूप में चुंबन का उपयोग करने और इसे करने के तरीके में भिन्न हैं। मेरी पत्नी की संस्कृति में, लोग किसी भी गाल पर चुंबन कर सकते थे।

कुछ रूसी संस्कृति में, जहाँ तक मैं समझता हूँ, आप होठों पर चुंबन कर सकते हैं। मेरी संस्कृति में, आप गले लगा सकते हैं, लेकिन होठों पर चुंबन, सिर्फ स्वच्छता की भावना बहुत मुश्किल लगती है, जब तक कि यह निश्चित रूप से, आपकी पत्नी या आपके पति न हो। लेकिन किसी भी मामले में, यह आम तौर पर एक हल्का चुंबन था, भावुक चुंबन नहीं।

बाद में, चर्च में इसका दुरुपयोग किया गया, और इसलिए चर्च ने इसे एक ही लिंग तक सीमित कर दिया, जाहिर तौर पर यह मानते हुए कि चर्च में अधिकांश लोग विषमलैंगिक थे। लेकिन किसी भी मामले में, यह होठों पर एक हल्का चुंबन था। शायद यही कारण है कि पॉल ने पवित्र चुंबन का उल्लेख किया है, लेकिन पॉल ने चुंबन का पांच बार उल्लेख किया है।

खैर, वास्तव में, उनमें से एक 1 पीटर है, लेकिन उसने अपने लेखों में कई बार इसका उल्लेख किया है। मैं एक ऐसी संस्कृति में था जहाँ सिर ढकने का चलन था, और मैं सिर ढकने की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि सिखा रहा था, और लोगों को यह नहीं बता रहा था कि उन्हें सिर ढकना नहीं चाहिए, बस पढ़ा रहा था, समझा रहा था कि पृष्ठभूमि क्या थी, ऐसा सबसे पहले क्यों किया गया था -शताब्दी संस्कृति, और क्या कवर किया गया था। इसमें सारे बाल होने चाहिए थे, हालाँकि यदि आप आगे पूर्व की ओर जाते, तो यह उससे भी अधिक थे।

आप जानते हैं, अन्य छात्र, वे एक-दूसरे से इस बात पर बहस कर रहे थे कि इसे कहाँ तक ले जाना है, क्या यह सभी संस्कृतियों में आवश्यक था या केवल उनकी संस्कृति में आवश्यक था क्योंकि यह उनकी संस्कृति का हिस्सा था। छात्रों में से एक ने जोर देकर कहा, कोई भी महिला जो किसी भी संस्कृति में चर्च जाती है और अपना सिर नहीं ढकती है, वह नरक में जाएगी क्योंकि बाइबिल कहती है कि उन्हें सिर ढंकना चाहिए। मैंने कहा, हां, लेकिन यह जितनी बार सिर ढकने का आदेश देता है उससे पांच गुना अधिक पवित्र चुंबन का आदेश देता है, और जब मैं कमरे में आया तो आप में से किसी ने भी पवित्र चुंबन के साथ मेरा स्वागत नहीं किया।

नहीं, अब बहुत देर हो चुकी है, अब ऐसा मत करो। लेकिन मैंने पहले कहा था, मैं सिर ढकने के बारे में बात नहीं करने जा रहा था, लेकिन, आप जानते हैं, यह उस संस्कृति का हिस्सा था, इसे महिलाओं के लिए शील का हिस्सा माना जाता था, और अगर कोई विवाहित महिला नग्न होकर सार्वजनिक रूप से बाहर जाती थी बाल, इसे पूर्वी भूमध्यसागरीय और अधिक रूढ़िवादी हलकों में प्रलोभन का प्रयास माना जाता था। मेरा मतलब है, बहुत सारी उच्च वर्ग की महिलाओं ने ऐसा नहीं किया।

हो सकता है कि वह इसका हिस्सा रहा हो, हो सकता है कि चर्च में वर्ग संघर्ष का मुद्दा भी रहा हो, लेकिन फिर भी, मैं विषयांतर कर रहा हूँ। तो, चुंबन, चुंबन की पृष्ठभूमि। हो सकता है कि द्वितीयक चुंबन की कुछ प्रथा रही हो।

मैंने इसे अभी तक प्राचीन पत्रों में बहुत व्यापक रूप से नहीं पाया है, लेकिन मैंने अभी तक पपीरी में नहीं देखा है, लेकिन फ्रेंटो कहते हैं, इस व्यक्ति को मेरा चुंबन दे दो। तो, पॉल कह रहा होगा, मेरी ओर से एक पवित्र चुंबन के साथ एक दूसरे का स्वागत करें, लेकिन शायद वह सिर्फ यह कह रहा है, बस एक दूसरे का अभिवादन करें। किसी भी तरह से, यह कुछ ऐसा है जो विभाजित विश्वासियों को एकजुट करने में मदद करेगा।

आप जानते हैं, अगर वह एकता के बारे में बात कर रहे हैं, तो यह ऐसा करने का एक अच्छा तरीका है। और वह यह भी कहता है, कि कलीसियाएं, पूर्व की कलीसियाएं तुम्हें नमस्कार करती हैं। वह श्लोक 21 से 23 में अपने कुछ सहकर्मियों से अधिक विशिष्ट शुभकामनाएँ देने जा रहा है, लेकिन यहाँ वह चर्चों से सामान्य शुभकामनाएँ देता है।

और फिर वह कुछ गंभीर मुद्दों पर पहुँच जाता है। अभिवादन के अलावा, वह चर्च को कुछ चेतावनियाँ, कुछ अंतिम चेतावनियाँ और चर्च को प्रोत्साहन देता है। श्लोक 17 और 18, धोखेबाज, शोषणकारी शिक्षकों से सावधान रहें।

इन आंदोलनकारियों से सावधान रहें। और दो बातें जो वह उनसे सावधान रहने के लिए कहता है, सबसे पहले, वह कहता है, उन लोगों से सावधान रहें जो विभाजन का कारण बनते हैं और उन लोगों से सावधान रहें जो ठोकर का कारण बनते हैं। खैर, विभाजन, यह उस चीज़ के लिए प्रासंगिक है जो हमने विशेष रूप से रोमियों 14 :1 से 15:7 में देखा है। और रुकावटें, ठीक है, उन्होंने विशेष रूप से 14:4, 13, और 21 में उनका उल्लेख किया है।

अब, उन्होंने पत्र में पहले विरोधियों का उल्लेख नहीं किया है। उन्होंने 3:8 में उन लोगों का उल्लेख किया जो उनकी निंदा कर रहे थे, लेकिन उन्होंने पहले पत्र में विशेष रूप से विरोधियों का उल्लेख नहीं किया था। और इससे मैं सोचने पर मजबूर हो जाता हूँ कि शायद यह एक संभावित खतरा है जिसके बारे में वह उन्हें चेतावनी दे रहा है, बजाय इसके कि वहाँ लोग पहले से ही ऐसा कर रहे हों।

हालाँकि यह चर्चों के उन सदस्यों के लिए कुछ कह सकता है जो विभाजनकारी हो सकते हैं या एक दूसरे के लिए बाधा बन सकते हैं। फिलिप्पियों 3:2, वह कहता है, कुत्तों से सावधान रहो, खतने से सावधान रहो, शरीर के अंग-भंग करनेवालों से सावधान रहो। फिलिप्पियों 3:2 में वह किस बारे में बात कर रहा है? क्या वहाँ लोग गलाटिया में विरोधियों जैसा ही काम करने आये हैं? इस बात पर बहस चल रही है कि क्या वे वास्तव में वहाँ आए हैं या पॉल की चेतावनी के अनुसार, वे अपने रास्ते पर हो सकते हैं।

लेकिन यह संभावित हो सकता है, लेकिन किसी भी तरह से, यह एक गंभीर चेतावनी है। और वह कहते हैं, मानक के रूप में उपयोग करें, ताकि आप झूठी शिक्षाओं को पहचान सकें, ताकि आप भटक न जाएं। मानक के रूप में उस शिक्षण का उपयोग करें जो आपने पहले ही प्राप्त कर लिया है।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया है कि जो शिक्षा उन्हें प्राप्त हुई है, वह रोमियों में अध्याय 6 और श्लोक 17 में डिडाचे का एकमात्र अन्य उपयोग है। खैर, जो शिक्षा उन्हें प्राप्त हुई है वह वह संदेश होगी जिसके द्वारा वे बचाए गए थे। बुनियादी केरिग्मा और उससे परे यीशु आदि के बारे में कुछ शिक्षाएँ।

प्रेरितिक संदेश, प्रेरितिक शिक्षा। पॉल उन्हें इसका बहुत कुछ देने के लिए वहाँ नहीं गया है, हालाँकि उसने अपने पत्र में उन्हें इसका बहुत कुछ दिया है। और ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें पॉल में बहुत दिलचस्पी थी जब वह प्रेरितों के काम 28 में रोम में दिखाई देता है।

रोम में उनके प्रकट होने से पहले, रोम के विश्वासी उनसे मिलने के लिए बाहर आते हैं और शहर के रास्ते में उनका साथ देते हैं। और वे दो अलग-अलग समूहों में आते हैं, शायद इसलिए कि वे विभाजित थे या शायद उनके कार्य शेड्यूल के कारण, हम नहीं जानते। लेकिन फिर भी, ऐसा लगता है कि वे उसका अच्छे से स्वागत कर रहे हैं।

हालाँकि रोम में भी, जब वह फ़िलिपियन्स में घर में नज़रबंद था, यह मानते हुए कि यह रोम से लिखा गया है, जैसा कि अधिकांश विद्वान सोचते हैं, जिसमें मैं भी शामिल हूँ, यदि यह रोम से लिखा गया है, तो उसके पास कुछ आलोचक हैं जिनका उल्लेख उसने फ़िलिपियन्स अध्याय 1 में किया है। और शायद वे वही लोग नहीं हैं जिनका उल्लेख उन्होंने फिलिप्पियों में 3.19 में किया है। लेकिन वैसे भी, प्रेरितिक शिक्षा सच्चे और झूठे शिक्षकों के बीच अंतर करने का एक तरीका था। और नये नियम का कैनन हमारे लिए इसी प्रकार कार्य करता है।

मेरा मतलब है, हमारे पास वह सब कुछ नहीं है जो पॉल ने रोम में चर्च में पहुंचने के बाद कहा था, लेकिन हमारे पास वह है जो पॉल ने उन्हें पहले से लिखा था। और नए नियम को एक साथ

मिलाकर, हमारे पास इतना अधिक प्रेरितिक शिक्षण है कि हम पवित्रशास्त्र के कैनन के साथ भी कर सकते हैं जो उनके पास उपलब्ध था, पुराना नियम, साथ ही नए नियम से हमारे पास क्या है, जब हम इसे एक साथ रखते हैं, हम बहुत कुछ जानते हैं जो हमें सत्य और त्रुटि के बीच अंतर करने में मदद कर सकता है। अब ये झूठे शिक्षक, वे पद 18 में कहते हैं, अपने पेट के गुलाम हैं।

खैर, पॉल ने पूरे रोमियों में आध्यात्मिक दासता के बारे में बहुत कुछ कहा है, विशेष रूप से अध्याय 6 में, लेकिन उन्होंने बाद में इसका उल्लेख किया, कि हमें ईश्वर का गुलाम कैसे बनना चाहिए, न कि अपनी भावनाओं का गुलाम, न कि पाप का गुलाम। और साथ ही, उन्होंने इच्छाओं के जुनून के बारे में बात की है, 1:24, 1:26, 6:12, 7:5, 7:8, 13:14, इत्यादि। अब, उनके पेट के गुलामों से उनका क्या मतलब है? उसने केवल उन लोगों के विरुद्ध चेतावनी दी है जो दूसरों को ठोकर खिलाते हैं।

शायद वह उन लोगों के बारे में बात कर रहे हैं जो अपने पेट के इतने गुलाम हैं कि उन्हें इस बात से कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि वे जो खाते हैं उससे दूसरों को ठोकर लगती है। हालाँकि, इसे किसी भी तरह से यहीं तक सीमित रखने की आवश्यकता नहीं है। फिलिप्पियों 3.19 में, या 1 कुरिन्थियों 6:13 में, वह उनके पेट के बारे में उनके भगवान के बारे में समान भाषा का उपयोग करता है, वह पेट की बात करता है, लेकिन संदर्भ में, वह वास्तव में 1 कुरिन्थियों 6:12 डी में, 6 से ठीक पहले आध्यात्मिक दासता का संकेत दे रहा है: 13. संदर्भ में, 1 कुरिन्थियों में वह जिस बारे में बात कर रहा है वह यौन है, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल नहीं।

तो, उनके पेट के दास वास्तव में एक रूपक की तरह थे। इसका उपयोग उससे भी कहीं अधिक के लिए किया जाता था। मूल रूप से इसका अर्थ लोलुपता था, लेकिन इसका उपयोग किसी भी प्रकार के आत्म-भोग के लिए किया जाने लगा।

यह प्राचीन दार्शनिकों में हर जगह है, विशेषकर फिलो में हर जगह। फिलो वास्तव में इसका बहुत उपयोग करता है। अलेक्जेंड्रिया के फिलो, उत्तरी मिस्र में यहूदी दार्शनिक।

कभी-कभी प्राचीन लेखक, पॉल के अलावा अन्य प्राचीन लेखक भी उसी अभिव्यक्ति का उपयोग करते हैं जो हमारे यहां है, अपने पेट के गुलाम, उन लोगों के लिए जो केवल अपने आप में रुचि रखते थे और खुद से ऊंची किसी चीज़ में रुचि नहीं रखते थे। आज ऐसे लोग हैं, और उनमें से कुछ भगवान के नाम पर आते हैं, भगवान के लोगों का शोषण करते हैं, और हमें इससे सावधान रहना होगा। और उनकी पेचीदा बयानबाजी का भी अध्याय 16, श्लोक 18 में उल्लेख किया गया है।

बयानबाजी अनैतिक थी। इसका उपयोग अच्छे के लिए किया जा सकता है, इसका उपयोग बुराई के लिए भी किया जा सकता है। यही कारण है कि इस अवधि में कई भाषणशास्त्री दर्शन के प्रति अधिक सम्मानजनक थे, उन्होंने कहा, ठीक है, हमें गुण और दोष के बारे में सोचने की ज़रूरत है, वास्तव में चीजों का उपयोग करने का सही तरीका क्या है और चीजों का उपयोग करने का गलत तरीका क्या है।

लेकिन स्वयं बयानबाजी में, लोग अक्सर लोगों को ऐसे काम करने के लिए मनाने की कोशिश करते हैं जो सही नहीं थे। मुझे लगता है कि मैंने पहले रैटोरिका एड हेरेनियम के बारे में उल्लेख किया था, जिसमें शपथ के तहत झूठ बोलने, लोगों को धोखा देने, या वास्तव में झूठ बोलने के बिना ऐसा करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इसे इस तरह से कहें तो, आप शपथ के तहत कुछ कहते हैं, और फिर आप कुछ कहते हैं, लेकिन यह हिस्सा वास्तव में शपथ के अधीन नहीं है। और इसलिए, चीजों को छिपाने की कोशिश करने के लिए, पॉल ने लोगों के साथ संबंध बनाए।

पॉल, इस कविता में भी, कुछ अच्छे वाक्यांशों का उपयोग करने जा रहा है। पॉल बिल्कुल भी प्रेरक होने के खिलाफ नहीं है। हम यह पहले ही देख चुके हैं।

लेकिन पॉल ने चापलूसी से परहेज किया। वह 1 थिस्सलुनिकियों अध्याय 2, पद 5 में इसके बारे में बात करता है। अध्याय 15, पद 15 में, वह साहसी होने के बारे में बात करता है। खैर, नैतिकतावादी अक्सर उन लोगों के खिलाफ चेतावनी देते हैं जो लोगों को यह बताने के लिए चापलूसी का इस्तेमाल करते हैं कि वास्तव में उनके लिए क्या अच्छा नहीं है।

इसके बजाय आपको साहसपूर्वक लोगों को बताना चाहिए कि उनके लिए क्या अच्छा है। और पॉल ऐसा करता रहा है। वह बातें कहते रहे हैं, यहां तक कि विवादास्पद बातें भी, लेकिन वह उन्हें प्रेमपूर्ण तरीके से कहते हैं।

खैर, मैंने यहां उनके द्वारा ऐसी भाषा का उपयोग करने के बारे में बात की जो अलंकारिक रूप से आकर्षक होगी। वह उन लोगों के लिए इन दो शब्दों का उपयोग करता है जो भ्रामक बयानबाजी, क्रेस्टोलोगिया और यूलोगिया का उपयोग करते हैं। तो, ये दोनों लोगिया, एक प्रकार की तुकबंदी के साथ समाप्त होते हैं।

बी. डैग, बाउर, डैकर, आर्ट और गिंगरिच क्रेस्टोलोगिया को सहज, विश्वसनीय भाषण बताते हैं। ये लोग चतुर-चालाक होते हैं। वे आपको उन पर विश्वास करने के लिए प्रेरित करते हैं क्योंकि वे प्रेरक लगते हैं।

यूलोगिया, वाक्पटु, प्रशंसापूर्ण भाषण है जहां वे आपका दिल जीत लेते हैं। लेकिन वे धोखे से अपने सुनने वालों की इच्छाओं पर खेल रहे हैं, ये उनके पेट के गुलाम हैं। हम इसके बारे में 2 तीमुथियुस 4.3, 2 पतरस 2.1-3, 2 पतरस 10-14 में पढ़ते हैं।

वे बुराई कर रहे हैं और वे अपने सुनने वालों में बुराई की संभावना का फायदा उठाने के लिए तैयार हैं। इसलिए, हमें यह देखने की ज़रूरत है कि वे केवल उन चीजों के प्रति आकर्षित न हों जो हमारे अंदर हैं और जो हमारे अंदर नहीं होनी चाहिए। जैसे पाप धोखा देता है, वैसे ही वे भी धोखा दे रहे हैं।

इससे पहले 7:11 में, पॉल कानून को धोखा देने और शोषण करने के पाप के बारे में बात करने के लिए इस तरह की भाषा का उपयोग करता है। खैर, यहां लोग धोखा दे रहे हैं और वे पाप के एजेंट हैं। कुछ लोग रोमियों 7 को पतन की याद दिलाते हुए देखते हैं, रोमियों 5:12-21। और मैं नहीं देखता कि पॉल जानबूझकर ऐसा कर रहा है, लेकिन अगर वे सही हैं, तो यह दिलचस्प है क्योंकि

हम शायद 1620 में इसका एक संकेत लेकर आने वाले हैं, जो मुझे लगता है कि इसकी बहुत संभावना है।

और इसलिए हो सकता है कि कुछ अन्य भी हों जिन्हें लोगों ने देखा हो। तो, 16:19, पद की शुरुआत, वह उन्हें आज्ञाकारी बने रहने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। जब मैं आपको इन लोगों के बारे में चेतावनी दे रहा हूँ, तो मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि आप कुछ गलत कर रहे हैं।

मैं तुम्हें सिर्फ चेतावनी दे रहा हूँ. आपकी आज्ञाकारिता के बारे में सभी ने सुना है। आपका विश्वास, उन्होंने 1:8 में कहा, पत्र की शुरुआत में, आपके विश्वास की घोषणा हर जगह की जा रही है।

और अब वह कहता है, तेरी आज्ञाकारिता के विषय में सबने सुना है। खैर, पौलुस थिस्सलुनिकियों के बारे में कहीं और कहता है। थिस्सलुनिकियों के विश्वास के बारे में हर कोई जानता था, 1 :9। उन्हें कष्ट हुआ था।

उन्होंने उसे कष्ट सहते देखा था और उन्होंने कष्ट सहा था। वह कहते हैं, और यह बात चारों ओर फैल गई थी, न केवल मैसेडोनिया में, बल्कि हर किसी ने इसके बारे में सुना था। खैर, यह अतिशयोक्ति है, पूरी दुनिया में हर कोई नहीं, नूबिया और चीन वगैरह में।

लेकिन दूसरे शब्दों में, बात चारों ओर फैल गई थी। खैर, रोम के साथ तो और भी अधिक। रोम राजधानी थी।

लोग हमेशा रोम से आते-जाते रहते थे। तो वहां से हमेशा खबरें फैलती रहती थीं। और लोग कह रहे थे कि वाह, ये खुशखबरी का संदेश तो अब राजधानी तक भी चला गया है।

पॉल कुछ ऐसा कहने जा रहा है जो फिलिप्पी, एक रोमन उपनिवेश में ईसाइयों को उत्साहित करेगा, जब वह फिलिप्पियों 4 में कहता है, वैसे, सीज़र के घराने के लोग तुम्हें नमस्कार करते हैं। संभवतः प्रेटोरियन गार्ड में से कुछ का जिक्र है जो उसके साथ हैं, लेकिन वह इस बारे में बात कर रहा है कि यह महल में कैसे फैल रहा है, शायद प्रेटोरियन गार्ड के बीच फैल रहा है। पॉल का मिशन अन्यजातियों की आस्था की आज्ञाकारिता को बढ़ावा देना था।

अध्याय 1, श्लोक 5, 15, और 18, अन्यजातियों की आज्ञाकारिता को बढ़ावा देने के लिए। 16:26, अन्यजातियों की आस्था की आज्ञाकारिता को बढ़ावा देना। तो, हर किसी ने उनकी आज्ञाकारिता के बारे में सुना है।

उनके बीच जो पहले से ही घटित हो रहा था, वही बात पौलुस और भी अधिक प्रोत्साहित करना चाहता था। उन्होंने 5:19 में मसीह की आज्ञाकारिता के संदर्भ में आज्ञाकारिता के बारे में भी बात की, 6.16 में हमें ईश्वर की आज्ञाकारिता के लिए गुलाम कैसे बनना चाहिए। उन्होंने 6:17 में शिक्षा के प्रति आज्ञाकारी होने के बारे में बात की, जो इस संदर्भ में प्रासंगिक है क्योंकि उन्होंने 16:17 में भी शिक्षा के बारे में बात की है। यह पत्र का एक प्रमुख विषय है। इसका उल्लेख उतनी बार नहीं किया जाता जितना कि आस्था का, लेकिन स्पष्ट रूप से आस्था का तात्पर्य क्रिया में व्यक्त होना है।

यदि हम वास्तव में किसी चीज़ पर विश्वास करते हैं, यदि हम वास्तव में मानते हैं कि एक इमारत में आग लगी है, तो हम सिर्फ यह नहीं कहते हैं, ठीक है, मैं संज्ञानात्मक रूप से मानता हूँ कि इस इमारत में आग लगी थी। और मैं संज्ञानात्मक रूप से पहचानता हूँ कि इस कमरे में गर्मी हो रही है, संज्ञानात्मक रूप से पहचानता हूँ कि मुझे धुएँ की गंध आ रही है। नहीं, संभावना है, अगर हम वास्तव में इस पर विश्वास करते हैं, तो हम इस पर कार्रवाई करेंगे।

अब इस श्लोक के शेष भाग में और श्लोक 20 में जाने पर, मुझे लगता है, हमारे पास आदम का उलटाव है। वह जो अच्छा है उसमें बुद्धिमान होने और जो बुरा है उसमें निर्दोष या अनसीखा होने की बात करता है, इस शब्द का अर्थ यह हो सकता है कि क्या बुरा है। यह पतन से पहले आदम और हव्वा की तरह है।

वह 5:12 से 5:21 तक आदम के बारे में बात करता है। और फिर वह पद 20 में कहता है, ठीक है, निर्दोष बनो, जानो कि क्या अच्छा है, जो अच्छा है उसमें बुद्धिमान बनो, जो बुरा है उसमें निर्दोष और अनसीखा बनो। कभी-कभी लोगों ने मुझे इस बारे में बात करते हुए सुना होगा कि बाइबल राक्षसों या उस जैसे किसी विषय के बारे में क्या कहती है। और आप मुझे यह कहते हुए सुनेंगे, मुझे वास्तव में यह विषय पसंद नहीं है।

खैर, मैं वास्तव में ऐसा नहीं करता। और बाइबल जो कहती है उससे अधिक और हमने जो अनुभव किया है उससे अधिक, मैं वास्तव में उसमें गहराई से जाना पसंद नहीं करता। मुझे यीशु में गहराई से जाना अच्छा लगता है।

हमें उन चीज़ों के बारे में कुछ जानना होगा लेकिन यीशु पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इसलिए, वह हमें पवित्रशास्त्र में कहीं और बताता है और पॉल में कहीं और हमें बताता है कि हमें उन चीज़ों के बारे में अनुभवहीन नहीं होना चाहिए। लेकिन अगर हम यह सीखने पर ध्यान केंद्रित करते हैं कि क्या अच्छा है तो हम बुराई सीखने पर ध्यान केंद्रित नहीं करते हैं, विशेष रूप से अनुभवात्मक रूप से, जिसे आदम और हव्वा ने भगवान की अवज्ञा करके सीखा था।

इस प्रकार, वे कहते हैं, भगवान जल्द ही शैतान को आपके पैरों के नीचे कुचल देंगे, अध्याय 16 और श्लोक 20। खैर, साँप को अक्सर, हमेशा नहीं, लेकिन अक्सर यहूदी परंपरा में शैतान के साथ पहचाना जाता था। प्रकाशितवाक्य 12:9 में इसकी पहचान इस प्रकार की गई है। और यह शायद पॉल की सोच में भी सच है।

दूसरा कुरिन्थियों 11:3 कहता है, मैं नहीं चाहता कि तुम वैसे ही धोखा खाओ जैसे हव्वा को साँप ने धोखा दिया था। और 11:14 में, पॉल कहता है, शैतान प्रकाश के दूत के रूप में भी आता है। खैर, मुझे लगता है कि वे शायद जुड़े हुए हैं।

निश्चित रूप से, वे यहूदी परंपरा से जुड़े हुए थे। पॉल संभवतः यहूदी परंपरा के उस उदाहरण का उल्लेख नहीं कर रहे हैं जो बाद का दस्तावेज़ भी हो सकता है जिसमें आदम और हव्वा के जीवन पर बहस की गई है। मुझे लगता है कि वह शायद उत्पत्ति में ईव को साँप द्वारा धोखा दिये जाने की बात कर रहा है।

लेकिन किसी भी मामले में, मुझे लगता है कि पॉल शायद यहाँ साँप के संदर्भ में शैतान के बारे में भी सोच रहा है क्योंकि ईव का बीज साँप को कुचलने के लिए था, उत्पत्ति 3:15। और आपके पास प्रकाशितवाक्य 12 में उस स्त्री का वंश भी है जहाँ आपको साँप मिला है। तो, क्या वह सोचता है कि उस समय शैतान वास्तव में साँप था या शैतान ने सिर्फ साँप का इस्तेमाल किया था, यह भी किसी अन्य यहूदी परंपरा में है। और यह एक सादृश्य है।

मैं इसे जेनेसिस प्रोफेसरों पर छोड़ दूँगा क्योंकि मैं जेनेसिस से उतना ही प्यार करता हूँ और शायद सोचता हूँ कि यह स्वयं शैतान था। लेकिन फिर भी, चाहे जो भी मामला हो, ईव का बीज साँप को कुचल देगा। खैर, यहाँ वे सभी नए एडम के हैं।

उन्होंने जीत हासिल की है। यह पहले से ही-अभी तक नहीं है। वे अभी भी विजय की पूर्णता की प्रतीक्षा कर रहे हैं, लेकिन जल्द ही शैतान उनके पैरों के नीचे कुचल दिया जाएगा।

और आरंभिक यहूदी धर्म में शैतान एक अभियुक्त था। हम इसे पहले ही अय्यूब 1 में देख चुके हैं जहाँ वह हसतन है। वह विरोधी है और वह आकर अय्यूब पर दोष लगाता है।

और फिर जकर्याह 3.1 में एक नाम के रूप में और भी अधिक जहाँ वह महायाजक यहोशू पर आरोप लगा रहा है। प्रारंभिक यहूदी धर्म में, शैतान के आरोप लगाने वाले, प्रलोभक और धोखेबाज होने के इस विचार को जारी रखा और इन्हें विकसित किया। मैं आपको इसके बारे में कहानियाँ दे सकता हूँ, जिसमें रब्बी साहित्य में पालिमो नाम का एक व्यक्ति भी शामिल था जो शैतान को कोस रहा था।

मृत सागर स्कॉल भी ऐसा ही करते हैं। और पालिमो कहता फिर रहा था, तेरी आँख में तीर, शैतान। और एक दिन शैतान वास्तव में सामने आया और उसका पीछा करते हुए एक स्नानघर में चला गया।

और पालिमो ने कहा, मैं समर्पण करता हूँ, मैं समर्पण करता हूँ। और शैतान ने कहा, यह तुम्हारे लिये शिक्षा हो, और उसे स्नानागार में छोड़ दिया। लेकिन हमारे पास यहूदी साहित्य में इसके बारे में कहानियाँ हैं।

लेकिन यह सिर्फ यह दिखाने के लिए है कि लोग अभी भी इन चीज़ों के बारे में बहुत कुछ सोचते रहते हैं। पॉलीन साहित्य में, मैं आपको केवल उदाहरण दे रहा हूँ जहाँ यह वास्तव में शैतान नाम का उपयोग करता है। वहाँ एक जोड़ा ऐसा भी है जिसने दुष्ट आदि का उल्लेख किया है, और इफिसियों में शैतान का भी उल्लेख किया है।

लेकिन 1 कुरिन्थियों 5:5 और 1 तीमुथियुस 1:20 में शैतान को सौंपना, जब व्यक्ति को बहिष्कृत किया जा रहा हो, ऐसा कहा जा सकता है। 1 कुरिन्थियों 5.5, उसे शरीर के विनाश के लिए शैतान को सौंप दिया जाए ताकि न्याय के दिन उसकी आत्मा बचाई जा सके। प्रलोभक, 1 कुरिन्थियों 7:5, ऐसा न हो कि शैतान तुम्हारे संयम की कमी के कारण तुम्हें प्रलोभित करे।

1 तीमुथियुस 5:15, धोखेबाज़। 2 कुरिन्थियों 2:11, हम उसकी योजनाओं से अनभिज्ञ नहीं हैं। और 11:14 शैतान का दूत शरीर में कांटा है।

2 कुरिन्थियों 12:7, वह क्या दर्शाता है? खैर, शरीर में कांटा संख्या 33:55 का एक वाक्यांश था। मुझे लगता है कि यह न्यायाधीशों में भी है। मैं यहोशू कहने जा रहा था, लेकिन मुझे लगता है कि ये न्यायाधीश हैं। लेकिन किसी भी मामले में, शरीर में कांटा उन कनानियों के लिए एक अभिव्यक्ति थी जो देश में बचे हुए थे।

उसी तरह, पॉल के शरीर में यह कांटा है। वहाँ कुछ ऐसा है जो अभी भी वहाँ बचा हुआ है जिससे प्रभु ने उसे छुटकारा नहीं दिलाया है। और यह शैतान का दूत है।

वह क्या संदर्भित करता है? खैर, यह एक बड़ी बहस है। फिर से, 2 कुरिन्थियों के अध्ययन में बड़ी बहसों में से एक। लेकिन एक विचार यह है कि यह एक बीमारी है।

कुछ लोगों ने कहा है, यह गैलाटियन्स पर आधारित आंखों की बीमारी है, लेकिन मैंने इसके खिलाफ तर्क दिया है क्योंकि लोगों को उनके लिए बलिदान देने के तरीके के रूप में अपनी आंखें देने के लिए तैयार होना भाषण का एक सामान्य रूप था। कुछ लोगों ने कहा है कि यह एक मनोवैज्ञानिक मुद्दा या अवसाद या कुछ और था। यह एक शारीरिक समस्या हो सकती थी।

यह एक मनोवैज्ञानिक समस्या हो सकती थी। लेकिन मुझे लगता है कि संदर्भ से सबसे अधिक संभावना यही है कि उसे उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। कुछ लोग यह भी सोचते हैं कि यह कुरिन्थ में विरोधी थे, जो कुछ भी था, यह कुछ ऐसा था जो शैतान द्वारा उसके विरुद्ध प्रेरित किया गया था।

इसके अलावा, शैतान ने पॉल की थिस्सलुनीके वापसी का विरोध किया, 1 थिस्सलुनीकियों 2:18। ऐसी कई चीजें हैं जो हो सकती हैं, लेकिन संभवतः यह अधिनियम अध्याय 17 में उनके खिलाफ बहुपद का आदेश है। जब वे अपने कार्यालय से सेवानिवृत्त हुए तो बहुपद के कार्यालय की समय सीमा समाप्त होने तक वह वापस नहीं आ सके। इसलिए वह थिस्सलुनीके वापस आना चाहता था।

वह नहीं कर सका। उन्होंने कहा कि शैतान ने हमें रोका। लेकिन जो कुछ भी था, शैतान विभिन्न चीज़ों के माध्यम से काम कर सकता है।

और फिर 2 थिस्सलुनीकियों 2:9 में, शैतान झूठे भविष्यद्वक्ताओं, संकेतों और भ्रामक चमत्कारों के माध्यम से बहुत स्पष्ट तरीके से सक्रिय हो रहा है। यह केवल परमेश्वर ही नहीं है जिसके पास संकेत और चमत्कार हैं। इसके अलावा, शैतानी संकेत और चमत्कार भी हैं।

खैर, इसके बाकी हिस्सों में, सवाल यह है कि क्या यह एक लंबा सत्र होना चाहिए और मैं भाग जाऊँ या मुझे बाद में एक छोटा सत्र करना चाहिए? शायद श्लोक 21 से 27। मुझे लगता है कि मैं बाद में एक छोटा सत्र कर सकता हूँ। इससे दर्द नहीं होगा।

अगला सत्र संभवतः इससे थोड़ा छोटा होगा।

यह रोमन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. क्रेग कीनर हैं। यह रोमियों 16:7-20 पर सत्र 17 है।